संस्कृत साधना भाग-2

वन्दना (Prayer)

हिन्दी अनुवाद

त्वमेव माता ..... देव देव।।

अनुवाद—हे प्रभु! तुम्हीं मेरी माता हो और तुम्हीं मेरे पिता हो! तुम्हीं मेरे भाई हो, और तुम्हीं मेरे मित्र हो। तुम्हीं मेरी विद्या हो, तुम्हीं मेरे धन हो। हे देवों के देव! तुम्हीं मेरे सब कुछ हो।

प्रथमः पाठः

लिङ्गानां ज्ञानम् (Knowledge of Gender)

पुल्लिङ्ग शब्दाः–अभ्यासः

1. किन्हीं तीन पशुओं के नाम संस्कृत में लिखिए–

उत्तर– (क) सिंहः (ख) मृगः(ग) उष्ट्रः

2. किन्हीं तीन पक्षियों के नाम संस्कृत में लिखिए–

उत्तर– (क) मयूरः (ख) शुकः (ग) कपोतः

3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) एकः यतिः। (ख) एकः अश्वः।
(ग) एकः पर्वतः। (घ) एकः वृषभः।
(ङ) एकः बालकः। (च) एकः सिंहः।
(छ) एकः श्वानः।

स्त्रीलिङ्ग शब्दाः–अभ्यासः

1. चित्रों को पहचानिए और उनके नाम संस्कृत में लिखिए–

उत्तर– अजा विटपः मार्जारी
झषः कन्या घोटकी
महिषी लूता व्याघ्री

2. शब्दों को पूर्ण कीजिए–

उत्तर– म हि षी ज न नी म क्षि का
क न्या स र ट: सा रि का

नपुंसकलिङ्ग शब्दाः–अभ्यासः

1. चित्रों को पहचानिए और उनके नाम संस्कृत में लिखिए–

उत्तर– कन्दुकम् कलशः आम्रम्
तुला ध्वजः गृहम्
पुष्पम् फलम् पुस्तकम्

2. शब्दों को पूर्ण कीजिए–

उत्तर– ड ल्ल कम् प र्ण म् गृ ह म्
आ म्र म् पु ष्प म् कन्दु क म्

द्वितीयः पाठः

पुरुषाणां ज्ञानम् (Knowledge of Persons)

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण कीजिए–

उत्तर– (क) अहं गृहं **गच्छामि**।
(ख) **युवां** पत्रं **लिखावः**।
(ग) वयं पाठं **पठामः**।

2. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) सः बालकः पुस्तकं पठति।
(ख) आवां पुस्तकं पठावः।
(ग) ते पुस्तकं पठन्ति।
(घ) वयं लिखामः।
(ङ) तौ बालकौ लिखतः।

तृतीयः पाठः

वचनानां ज्ञानम् (Knowledge of Number)

पुल्लिङ्ग : (एकवचनम्)

अनुवाद– बालकः पत्रं लिखति। बालक पत्र लिखता है।
रोहनः जलं पिबति। रोहन जल पीता है।
अश्वः तृणं चरति। घोड़ा घास चरता है।
वानरः फलं खादति। बंदर फल खाता है।

द्विवचनम्

अनुवाद– इमौ कौ स्तः? ये (दो) कौन हैं?
इमौ कुक्करौ स्तः। ये (दो) कुत्ते हैं।
इमौ कौ स्तः? ये (दो) कौन हैं?
इमौ बालकौ स्तः। ये (दो) बालक हैं।

इमौ को स्त:? ये (दो) कौन हैं?
इमौ हरिणौ स्त:। ये (दो) हिरन हैं।

बहुवचनम्

अनुवाद– इमे के सन्ति? ये (सब) कौन हैं?
इमे कपोता: सन्ति। ये (सब) कबूतर हैं।
इमे के सन्ति? ये (सब) कौन हैं?
इमे कृषका: सन्ति। ये (सब) किसान हैं।
इमे के सन्ति? ये (सब) कौन हैं?
इमे मयूरा: सन्ति। ये (सब) मोर हैं।

अभ्यास:

1. निम्न चित्रों को ध्यानपूर्वक देखिए तथा वाक्यों को पूरा कीजिए–

उत्तर– (क) इमौ **गजौ** स्त:। (ख) इमौ **सिंहौ** स्त:।
(ग) **इमे** बालका: सन्ति। (घ) इमौ **पक्षिणौ** स्त:।
(ङ) इमे मयूरा: **सन्ति।** (च) इमौ **बालकौ** स्त:।
(छ) इमे **पुष्पे** स्त:।

2. निम्नलिखित शब्दों को वचनों के अनुसार छाँटकर सारणी में लिखिए–

उत्तर–

एकवचनम्	**द्विवचनम**	**बहुवचनम्**
कपोत:	हरिणौ	मयूरा:
वानर:	अश्वौ	कृषका:
बालक:	गणौ	नरा:

3. निम्नलिखित शब्दों को हिन्दी में लिखिए–

उत्तर– मयूरा: = **मोर (बहुत-से)**
कृषक: = **किसान**
गज: = **हाथी**
बालकौ = **दो बालक**

स्त्रीलिङ्ग: (एकवचनम्)

अनुवाद– एषा का अस्ति? (यह कौन है?)
एषा ललना अस्ति। (यह स्त्री है।)
एषा का अस्ति? (यह कौन है?)
एषा चटका अस्ति। (यह चिड़िया है।)
एषा का अस्ति? (यह कौन है?)
एषा बालिका अस्ति। (यह लड़की है।)

द्विवचनम्

अनुवाद– एते के स्त:? ये (दो) कौन हैं?
एते कलिके स्त:। ये (दो) कलियाँ हैं।
एते के स्त:? ये (दो) कौन हैं?
एते सारिके स्त:। ये (दो) मैना हैं।
एते के स्त:? ये (दो) कौन हैं?
एते शारदे स्त:। ये (दो) सरस्वती हैं।

बहुवचनम्

अनुवाद– एता: का: सन्ति? ये (सब) कौन हैं?
एता: पिपीलिका: सन्ति। ये (सब) चींटियाँ हैं।
एता: का: सन्ति? ये (सब) कौन हैं?
एता: अजा: सन्ति। ये (सब) बकरियाँ हैं।
एता: का: का: सन्ति? ये (सब) कौन हैं?
एता चटका: सन्ति। ये (सब) चिड़िया हैं।
एता: का: सन्ति? ये (सब) कौन हैं?
एता: मार्जारय: सन्ति। ये (सब) बिल्लियाँ हैं।

अभ्यास:

निम्न चित्रों को ध्यानपूर्वक देखिए तथा वाक्यों को पूरा कीजिए–

उत्तर– (क) एषा मार्जारी **अस्ति**।
(ख) एते **कलिके** स्त:।
(ग) एते पिपीलिक **स्त:।**
(घ) **एता:** अजा: सन्ति।
(ङ) एता: चटका: **सन्ति।**
(च) **एषा** ललना अस्ति।

नपुंसकलिङ्ग: शब्दा: (एकवचनम्)

अनुवाद– एतत् किम् अस्ति? यह क्या है?
एतत् अखरोटम् अस्ति। यह अखरोट है।
एतत् किम् अस्ति? यह क्या है?
एतत् कन्दुकम् अस्ति। यह गेंद है।

द्विवचनम्

अनुवाद– एते के स्त:? ये (दो) क्या हैं?
एते चक्रे स्त:। ये (दो) पहिए हैं।
एते के स्त:? ये (दो) क्या हैं?
एते गृहे स्त:। ये (दो) घर हैं।

बहुवचनम्

अनुवाद– एतानि कानि सन्ति? ये (सब) क्या हैं?
एतानि पर्णानि सन्ति। ये (सब) पत्ते हैं।
एतानि कानि सन्ति? ये (सब) क्या हैं?
एतानि पतङ्गानि सन्ति। ये (सब) पतंग हैं।

अभ्यासः

1. रिक्त स्थान पूर्ण कीजिए–

उत्तर– (क) एतत् **गृहम्** अस्ति।
(ख) एते **फले** स्तः।
(ग) एतानि **चक्राणि** सन्ति।

चतुर्थः पाठः

हिंदी अनुवाद

सः पठति।	तौ पठतः।	ते पठन्ति।
वह पढ़ता है।	वे (दोनों) पढ़ते हैं।	वे (सब) पढ़ते हैं।
त्वं पठसि।	युवां पठथः।	यूयं पठथ।
तुम पढ़ते हो।	तुम (दोनों) पढ़ते हो।	तुम (सब) पढ़ते हो।
अहं पठामि।	आवां पठावः।	वयं पठामः।
मैं पढ़ता हूँ	हम (दोनों) पढ़ते हैं।	हम (सब) पढ़ते हैं।
सा पठति।	ते पठतः।	ताः पठन्ति।
वह पढ़ती है।	वे दोनों पढ़ती हैं।	वे सब पढ़ती हैं।
फलं पतति।	फले पततः।	फलानि पतन्ति।
फल गिरता है।	दो फल गिरते हैं।	बहुत सारे फल गिरते हैं।

अयम् अश्वः धावति।	यह घोड़ा दौड़ता है।
इमौ अश्वौ धावतः।	ये दो घोड़े दौड़ते हैं।
इमे अश्वाः धावन्ति।	ये सब घोड़े दौड़ते हैं।
अयं बालकः क्रीडति।	यह लड़का खेलता है।
इमौ बालकौ क्रीडतः।	ये दो लड़के खेलते हैं।
इमे बालकाः क्रीडन्ति।	ये सब बालक खेलते हैं।

पञ्चमः पाठः

अभ्यासः

1. अकारांत पुल्लिङ्ग शब्द 'बालकः' के रूपों के माध्यम से रिक्त स्थान भरिए–

विभक्तिः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	बालकः	बालकौ	बालकाः
द्वितीया	**बालकम्**	बालकौ	**बालकान्**
तृतीया	बालकेन	**बालकाभ्याम्**	**बालकैः**
चतुर्थी	**बालकाय**	**बालकाभ्याम्**	बालकेभ्यः
पञ्चमी	बालकात्	**बालकाभ्याम्**	बालकेभ्यः
षष्ठी	**बालकस्य**	बालकयोः	**बालकानाम्**
सप्तमी	बालके	**बालकयोः**	बालकेषु
सम्बोधन	**हे बालक!**	**हे बालकौ!**	हे बालकाः!

2. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) एतत् एकं गृहम् अस्ति।
(ख) एते पत्रे स्तः।
(ग) एते पुष्पे स्तः।
(घ) एतानि पत्राणि सन्ति।
(ङ) एतानि चक्राणि सन्ति।

सर्वनाम शब्दाणां क्रियाणां च प्रयोगः (Use of Pronouns and Verbs)

इदं पुस्तकम् अस्ति।	यह पुस्तक है।
इमे पुस्तके स्तः।	ये दो पुस्तकें हैं।
इमानि पुस्तकानि सन्ति।	ये सब पुस्तकें हैं।

अभ्यासः

1. निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) वह पढ़ता है।
(ख) यह घोड़ा दौड़ता है।
(ग) फल गिरते हैं।
(घ) यह लड़की खेलती है।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित शब्द भरकर कीजिए–

उत्तर– (क) त्वं **पठसि**।
(ख) वयं **पठामः**।
(ग) इमाः बालिकाः **क्रीडन्ति**।

विभक्तयः (कारकाः) (Cases)

2. निम्नलिखित शब्दों के कारक, वचन एवं चिह्न लिखिए–

विभक्तिः	शब्दः	कारकः	वचनम्	चिह्नम्
प्रथमा	रामः	**कर्ता**	**एकवचनम्**	**ने**
तृतीया	रामेण	**करण**	**एकवचनम्**	**से, द्वारा**
पञ्चमी	रामेभ्यः	**अपादान**	**बहुवचनम्**	**से**
				(अलग होने के अर्थ में)
सप्तमी	रामयोः	**अधिकरण**	**द्विवचनम्**	**में, पर**
द्वितीया	रामौ	**कर्म**	**द्विवचनम्**	**का**

3. आकारांत स्त्रीलिङ्ग शब्द 'रमा' के रूपों के माध्यम से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

विभक्तिः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	रमा	**रमे**	रमाः
द्वितीया	**रमाम्**	रमे	**रमाः**

तृतीया	रमया	**रमाभ्याम्**	रमाभि:
चतुर्थी	रमायै	**रमाभ्याम्**	रमाभ्य:
पञ्चमी	**रमाया:**	रमाभ्याम्	**रमाभ्य:**
षष्ठी	रमाया:	**रमयो:**	रमाणाम्
सप्तमी	रमायाम्	रमयो:	**रमासु**
सम्बोधन	हे **रमे**!	हे **रमे**!	हे **रमा:**!

4. अकारांत नपुंसकलिङ्ग शब्द 'गृहम्' के माध्यम से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

विभक्ति:	**एकवचनम्**	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
प्रथमा	गृहम्	**गृहे**	गृहाणि
द्वितीया	**गृहम्**	गृहे	**गृहाणि**
तृतीया	गृहेण	**गृहाभ्याम्**	गृहै:
चतुर्थी	गृहाय	गृहाभ्याम्	**गृहेभ्य:**
पञ्चमी	गृहात्	**गृहाभ्याम्**	गृहेभ्य:
षष्ठी	**गृहस्य**	गृहयो:	**गृहाणाम्**
सप्तमी	गृहे	**गृहयो:**	गृहेषु
सम्बोधन	हे **गृहम्**!	हे **गृहे**!	हे **गृहाणि!**

5. चिह्न-शब्द की विभक्ति और वचन लिखिए–

का, की, के, में, पे, पर, से, के, द्वारा

षष्ठी	रामस्य	रामयो:	रामाणाम्
सप्तमी	रामे	रामयो:	रामेषु
तृतीया	रामेण	रामाभ्याम्	रामै:

षष्ठः पाठः

प्रभातः (Morning)

प्रभात: ..... लाभप्रदं भवति।

हिंदी अनुवाद—प्रात: काल (सवेरा) होता है। चंद्रमा अस्त होता है। सूर्य उगता है। अंधकार नष्ट होता है। सुबह के समय तालाबों में कमल खिलते हैं। उन पर भौंरे गुंजन करते हैं (गुनगुनाते हैं)। पक्षी मधुर स्वर से गाते हैं। मंद (धीमी) हवा बहती है। सुबह छात्र उठते हैं। वे नहाकर समय से विद्यालय जाते हैं। किसान सुबह खेतों को जाते हैं और वे खेत जोतते हैं। सुबह लोग घूमते हैं। जो घूमते हैं, वे रोगमुक्त होते हैं। इसलिए सुबह घूमना लाभदायक होता है।

अभ्यास:

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए–

उत्तर– (क) प्रभाते सूर्य: उदेति।
(ख) कमलानि तडागेषु विकसन्ति।
(ग) छात्रा: प्रभाते उत्तिष्ठन्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) तेषु **भ्रमरा:** गुञ्जन्ति।
(ख) कृषका: **क्षेत्राणि** कर्षन्ति।
(ग) प्रभाते भ्रमणं **लाभप्रदं** भवति।

3. हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) अंधकार (अँधेरा) नष्ट होता है।
(ख) कमल खिलते हैं।
(ग) प्रात: काल (सवेरा) होता है।
(घ) सूर्य उगता है।

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) कृषका: प्रभाते क्षेत्र गच्छन्ति।
(ख) प्रभाते भ्रमणं लाभप्रदं भवति।
(ग) तडागेषु कमलानि विकसन्ति।
(घ) प्रभाते जना: भ्रमन्ति।

सप्तमः पाठः

आदर्शः छात्रः (Ideal Student)

हिन्दी अनुवाद

अक्षत: ..... गच्छति।

अनुवाद—अक्षत आदर्श छात्र है। वह नित्य (रोज) माता-पिता और गुरु की आज्ञा का पालन करता है। वह सुबह उठता है और घूमने के लिए जाता है। वह स्नान करता है और फिर भगवान की पूजा करता है। वह साफ कपड़े पहनता है। वह प्रतिदिन विद्यालय जाता है।

विद्यालये ..... शयनं करोति।

अनुवाद—विद्यालय में वह अध्यापकों को नमन (नमस्कार) करता है। वह पाठ ध्यान से पढ़ता है। वह विद्यालय के अनुशासन का पालन करता है। वह हमेशा सच बोलता है। वह अध्ययन (पढ़ाई) में निपुण है। वह पूरी छुट्टी होने पर घर जाता है।

अक्षत समय से गृहकार्य करता है। वह शाम को खेल के मैदान में जाता है। उसके बाद भोजन करता है। भोजन करके दाँत साफ करता है। वह दूध भी पीता है। माता और पिता को नमस्कार करके सो जाता है।

अभ्यास:

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) स: प्रतिदिनं **विद्यालयं** गच्छति।
(ख) स: अध्ययने **निपुण:** अस्ति।
(ग) स: पाठं ध्यानेन **पठति**।

(घ) **सः पूर्णावकाशे** गृहम् आगच्छति।

2. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

उत्तर– (क) अक्षत: प्रात: उत्थाय भ्रमणाय गच्छति।
(ख) स: सदा सत्यं वदति।
(ग) स: विद्यालये अनुशासनं पालयति।
(घ) स: सायं क्रीडाक्षेत्रे गच्छति।

अष्टमः पाठः

हिन्दी अनुवाद

अयं मम .... जीवन्ति।''

अनुवाद—यह मेरा विद्यालय है। छात्र यहाँ पढ़ने के लिए आते हैं। वे शिक्षकों को प्रणाम करते हैं। यहाँ अध्यापक और अध्यापिकाएँ पढ़ाती हैं। वे बालकों को उपदेश देते हैं—''बल (ताकत) रक्षा के लिए होता है अर्थात् बल का प्रयोग निर्बलों की रक्षा के लिए करो। पढ़ना ज्ञान के लिए होता है, सज्जन (अच्छे लोग) परोपकार के लिए जीते हैं।''

मम .... विद्यालयः अस्ति।

अनुवाद—मेरे विद्यालय में एक पुस्तकालय भी है, जहाँ बहुत सारी पुस्तकें हैं। पुस्तकों के पढ़ने से ज्ञान होता है। हम वहाँ पढ़ने के लिए जाते हैं। पुस्तकालय का अध्यक्ष छात्रों को किताबें बाँटता है। छात्र यहाँ परिश्रम से पढ़ते हैं।

मेरे विद्यालय में एक खेल का मैदान भी है। छात्र वहाँ खेलते हैं। मेरा विद्यालय एक आदर्श विद्यालय है।

अभ्यासः

1. **हिन्दी में अनुवाद कीजिए–**

उत्तर– (क) छात्र यहाँ पढ़ने के लिए आते हैं।

नवमः पाठः

हिन्दी अनुवाद

साम्प्रतं .... वर्षाकालः।

अनुवाद—इस समय (अब) बरसात का मौसम है। आकाश में बादल छाते हैं। बादल इधर-उधर दौड़ते हैं। बादल काले रंग के हैं। ठंडी हवा बहती है। बगीचे में मोर नाचते हैं। वे बहुत प्रसन्न हैं। तालाब में मेढक तैरते हैं। मेढक टर्र-टर्र आवाज करते हैं।

बरसात के मौसम में धूप नहीं होती है। सभी प्रसन्न हैं। बच्चे तालाब मतें स्नान करते हैं। वे पानी में खेलते हैं। बच्चे इधर-उधर दौड़ते हैं।

यह बरसात का मौसम प्यारा है।

3. **हिन्दी में अनुवाद कीजिए–**

उत्तर– (क) वह प्रतिदिन विद्यालय जाता है।
(ख) वह अध्ययन (पढ़ाई) में कुशल है।
(ग) अक्षत समय से गृहकार्य करता है।
(घ) विद्यालय में वह अध्यापकों को नमन (नमस्कार) करता है।

मम विद्यालयः (My School)

(ख) पुस्तकों (किताबों) के पढ़ने से ज्ञान होता है।
(ग) मेरा विद्यालय एक आदर्श विद्यालय है।
(घ) पुस्तकालय का अध्यक्ष छात्रों को किताबें बाँटता है।

2. **निम्न शब्दों का प्रयोग करके रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

उत्तर– (क) ते **शिक्षकान्** प्रणमन्ति।
(ख) मम विद्यालये एकः पुस्तकालयः **अपि** अस्ति।
(ग) वयं तत्र पठनाय **गच्छामः**।
(घ) **छात्राः** अत्र परिश्रमेण पठन्ति।

3. **निम्न शब्दों को उनके अर्थों से रेखा खींचकर मिलाइए–**

उत्तर–

शब्दः	अर्थः
प्रणमन्ति	**प्रणाम करते हैं**
ज्ञानाय	**ज्ञान के लिए**
बलम्	**बल**
बहूनि	**बहुत-सी**

वर्षाकालः (Rainy Season)

अभ्यासः

1. **रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित शब्द भरकर कीजिए–**

उत्तर– (क) साम्प्रतं **वर्षाकालः** अस्ति।
(ख) मेघा: **कृष्णवर्णाः** सन्ति।
(ग) सरोवरे **मण्डूकाः** तरन्ति।
(घ) वर्षाकाले **आतपः** न भवति।

2. **निम्नलिखित शब्दों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

उत्तर– (क) मोर = **मयूरः**

(ख) मेढक = **मण्डूकः**
(ग) तालाब = **तडागः**
(घ) बादल = **मेघः**
(ङ) हवा = **वायुः**

3. निम्नलिखित शब्दों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) साम्प्रतम् = **इस समय (अब)**
(ख) अस्ति = **है**
(ग) इतस्ततः = **इधर-उधर**
(घ) मण्डूकाः = **मेढक (बहुत-से)**
(ङ) मयूराः = **मोर (बहुत-से)**

दशमः पाठः

हिन्दी अनुवाद

रामः ..... ददाति च।

अनुवाद—

राम — यह कौन है?
शिखा — यह डाकिया है।
राम — यह कहाँ जाता है?
शिखा — यह डाकघर जाता है।
राम — यह वहाँ जाकर क्या करता है?
शिखा — यह वहाँ जाकर पत्र (चिट्ठी) लाता है।
राम — तब यह क्या करता है?
शिखा — तब यह गाँव को जाता है।
राम — तब?
शिखा — तब यह लोगों को पत्र बाँटता है।
राम — तब लोग क्या करते हैं?
शिखा — तब लोग पत्र पढ़ते हैं।
राम — क्या डाकिया प्रतिदिन पत्र लाता है?
शिखा — हाँ, वह प्रतिदिन पत्र लाता है और देता है।

एकादशः पाठः

हिन्दी अनुवाद (1)

वृथा ..... दिवापि च।।

अनुवाद—समुद्रों में बारिश का होना व्यर्थ है, संतुष्ट (पेट भरे हुए) के लिए भोजन व्यर्थ है। सामर्थ्यवान (धनी) को दान देना व्यर्थ है, और दिन में दीपक भी व्यर्थ है; अर्थात् दिन के समय दीपक जलाना व्यर्थ है।

(2)

अलसस्य ..... सुखम्।

अनुवाद—आलसी के लिए विद्या कहाँ, अनपढ़ के लिए धन कहाँ? धनहीन (निर्धन) के लिए मित्र कहाँ, जिसका कोई मित्र न हो उसके लिए सुख कहाँ? अर्थात् आलासी को विद्या, अनपढ़ को धन, निर्धन को मित्र और जिसका कोई मित्र न हो उसे सुख कभी नहीं मिल सकता।

(3)

अभिवादनशीलस्य ..... यशोबलम्।।

अनुवाद—प्रणामादि करने वाले स्वभाव वाले की तथा प्रतिदिन बूढ़ों की सेवा करने वाले की चार चीजें बढ़ती हैं—आयु, विद्या, कीर्ति और बल।

(4)

सर्वे ..... भवेत्।

अनुवाद—सभी सुखी हों, सभी नीरोग हों, सभी कल्याणकारी अर्थात् अच्छा देखें, कोई भी दुःख का भागी न हो।

पत्रवाहकः (Knowledge of Gender)

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

उत्तर– (क) पत्रवाहकः पत्रालयात् पत्राणि आनयति।
(ख) पत्राणि जनाः पठन्ति।
(ग) पत्रालयं पत्रवाहकः गच्छति।
(घ) जनाः पत्राणि पठन्ति।

2. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए—

उत्तर– (क) सः ग्रामं **गच्छति**।
(ख) अहं प्रतिदिनं **पठामि**।
(ग) अयं कुत्र **गच्छति?**

3. निम्नलिखित शब्दों का संस्कृत वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तर– (क) पत्रवाहकः **जनेभ्यः** पत्राणि यच्छति।
(ख) दक्षः **पत्रालयं** न गच्छति।
(ग) पत्रवाहकः **ग्रामं** गच्छति।

पद्य-पीयूषम् (Nectareous Proverbs)

(5)

अष्टादश ..... परपीडनम्।।

अनुवाद—अठारह पुराणों में व्यास महाराज के दो वचन हैं—परोपकार पुण्य के लिए तथा दूसरों को पीड़ा देना अथवा कष्ट देना पाप होता है।

अभ्यास:

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए–

उत्तर– (क) समुद्रेषु वृष्टि: वृथा अस्ति।
(ख) समर्थाय दानं वृथा अस्ति।
(ग) अधनस्य मित्रं न भवति।
(घ) अभिवादनशीलस्य वृद्धोपसेविन: च आयु: विद्या; यश: बलं च वर्धन्ते।
(ङ) परोपकार: पुण्याय भवति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) वृथा **तृप्तस्य** भोजनम्।
(ख) अलसस्य कुतो **विद्या**।
(ग) चत्वारि तस्य **वर्धन्ते**।
(घ) सर्वे **भद्राणि** पश्यन्तु।
(ङ) पापाय **परपीडनम्**।

द्वादशः पाठः

हिन्दी अनुवाद

चित्रं ..... नमः।

अनुवाद—चित्र को देखो।
यह किसका चित्र है?
यह श्रीराम का चित्र है।
श्रीराम को नमस्कार है।

श्रीरामः ..... अकरोत्।

अनुवाद—श्रीराम चैत्रमास में शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि में पैदा हुए। श्रीराम के पिता दशरथ थे। इनकी माता का नाम कौशल्या था। श्रीराम की पत्नी सीता थीं। इनके दो पुत्र लव-कुश थे। विश्वामित्र श्रीराम के गुरु थे। इनके कुलगुरु वशिष्ठ थे। लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न श्रीराम के भाई थे। श्रीराम अयोध्या के राजा थे। लंका के राजा रावण का वध श्रीराम ने किया।

अभ्यास:

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए—

3. निम्नलिखित संस्कृत शब्दों को उनके अर्थ से मिलाइए–

उत्तर–

वृष्टि:	**वर्षा**
दीप:	**दीपक**
अधनस्य	**गरीब का**
नित्यम्	**प्रतिदिन**
निरामया:	**नीरोग**
अष्टादश	**अठारह**

4. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) समुद्रेषु वृष्टि: वृथा अस्ति।
(ख) अलसस्य कुतो विद्या।
(ग) तस्य चत्वारि वस्तूनि (गुणार्थे) वर्धन्ते।
(घ) सर्वे निरामया: सन्तु।

5. निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए—

उत्तर– (क) संतुष्ट (पेट भरे हुए) के लिए भोजन व्यर्थ है।
(ख) अमित्र (जिसका कोई मित्र न हो) के लिए सुख कहाँ?
(ग) सभी कल्याण (मंगलकारी) देखें।

श्रीरामः (Shree Ram)

उत्तर– (क) श्रीरामस्य पिता दशरथ: आसीत्।
(ख) श्रीरामस्य गुरु: विश्वामित्र: आसीत्।
(ग) श्रीराम: रावणस्य वधम् अकरोत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तर– (क) श्रीरामाय **नमः**।
(ख) श्रीरामस्य पुत्रौ **लवकुशौ** आस्ताम्।
(ग) वशिष्ठ: **कुलगुरु:** आसीत्।

3. श्रीराम पर चार वाक्य हिन्दी में लिखिए—

उत्तर– (क) श्रीराम अयोध्या के राजा दशरथ के बड़े पुत्र थे।
(ख) श्रीराम अपनी पत्नी सीता तथा छोटे भाई लक्ष्मण के साथ वन को गए।
(ग) वन में श्रीराम की पत्नी सीता का लंकापति रावण ने हरण कर लिया।
(घ) श्रीराम रावण को मारकर सीता तथा लक्ष्मण के साथ अयोध्या वापस आ गए।

हिन्दी अनुवाद

अयं कः ..... च आसीत्।

अनुवाद—ये (आदरार्थ) कौन हैं? ये महर्षि दयानंद हैं। इनका मूल नाम मूलशंकर था। इनके गुरु विरजानंद महाराज थे। ये आर्य समाज के संस्थापक और समाज सुधारक थे।

इदं ..... समानाः सन्ति।

अनुवाद—यह किसका चित्र है? यह गुरु नानक का चित्र है। नानक सिक्ख धर्म के प्रथम गुरु थे। ईश्वर के भक्त नानक देव का संदेश था कि सभी धर्म समान हैं।

अयं ..... आसीत्।

अनुवाद—ये कौन हैं? ये मालवीय जी हैं। इनका पूरा नाम क्या है? इसका पूरा नाम मदनमोहन मालवीय है। ये महान देशभक्त थे।

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए–

उत्तर– (क) दयानन्दस्य मूलनाम मूलशंकरः आसीत्।

(ख) आर्यसमाजस्य संस्थापकः महर्षिः दयानन्दः आसीत्।

(ग) नानकः सिक्ख धर्मस्य प्रथमः गुरुः आसीत्।

(घ) मालवीयस्य पूर्णनाम महामना मदनमोहनः मालवीयः आसीत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) **इदं** कस्य चित्रम् अस्ति?

(ख) दयानन्दस्य मूलनाम **मूलशंकरः** आसीत्।

(ग) अयं महान् देशभक्तः **आसीत्**।

3. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–

उत्तर– (क) महान् — **बड़े (आदरार्थ)**

(ख) समानः — **बराबर**